



SHRI VENU SRINIVASAN

Shri Venu Srinivasan is the Chairman of Sundaram-Clayton Group, which includes India's third-largest two-wheeler maker TVS Motor Company and die-casting company Sundaram-Clayton Ltd.

2. Born on 11th December, 1952 in Chennai, Shri Srinivasan completed Bachelors of Engineering (Mechanical) from the College of Engineering, Guindy and his masters in Management from Purdue University. He was thrown into leadership while he was still in his twenties and successfully operationalised a greenfield project for the manufacture of an indigenous two-wheeler called moped.

3. Shri Srinivasan's quest to help his companies scale, and achieve the highest levels of quality, led him to Japan in 1981, where he learnt about Total Quality Management (TQM) and noticed it had a strong resonance with the founding values of his group. It was a people-first and quality driven approach -- to serve employees, vendors and customers. His early adoption of TQM transformed not just his vendors and supply chain, but eventually placed several other Indian auto-part makers on the quality map for manufacturing.

4. Over almost three decades, Shri Srinivasan has created a globally competitive workforce that's continuously improving, embracing change and responding nimbly to challenges. His leadership, along with highly committed team members, helped Sundaram-Clayton become the first company in India to win the prestigious Deming prize for quality in 1998, soon followed by TVS Motor in 2002. He was only 48 years old when he led his team to win the Deming Prize, making it the first Asian company outside Japan, to bag the honour. By leading the way in setting standards, he became a role model for other aspiring Indian companies, many of whom embraced TQM and went on to win this coveted prize.

5. Shri Srinivasan holds several board positions. He is the Vice-Chairman of Tata Trusts and is on the board of Tata Sons, Cummins India Limited, The Indian Hotels Company Limited and several other companies. He has held various important positions in Indian Industry. These include Chairman of National Safety Council (NSC), Government of India for the year 2011-15; President, Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM) for 1999-2001; President, Confederation of Indian Industry (CII) for the year 2009-10 and President, Society of Automotive Research of India 1998-2000.

6. Shri Srinivasan has been conferred various awards, which includes 'The Deming Distinguished Service Award' for Dissemination and Promotion (Overseas) by JUSE in November 2019, "Goodwill Envoy for Public Diplomacy" by the Republic of Korea in January 2015, "Padma Shri" Award in 2010 by the President of India for his valuable and outstanding contributions in the field of Trade and Industry. In 2010, he was decorated with the "Order of Diplomatic Service Merit" (Heung-In Medal) by the President of the Republic of Korea in recognition of his valuable contribution in promoting Korea-India bilateral relations. He was also conferred with "Doctor of Science" by the University of Warwick, UK in the year 2004. The Indian Institute of Technology, Kharagpur, the oldest IIT in India bestowed upon him "Doctor of Science" in the year 2009. He won the lshikawa-Kano Award in 2012 from the Asian Network of Quality, the apex body for quality in Asia. He was conferred with JRD Tata Corporate Leadership Award by the All India Management Association in the year 2005, and the Jamsedji Tata Lifetime Achievement award in 2004 by the Indian Society for Quality.

7. Shri Srinivasan is deeply committed to giving back to society and his community work includes working in 5,000 villages in India, helping the underserved become self-reliant by teaching them life skills and helping them access better healthcare, infrastructure and education. This work is undertaken by the Srinivasan Services Trust.





श्री वेणु श्रीनिवासन

श्री वेणु श्रीनिवासन सुंदरम–क्लेटन समूह के अध्यक्ष हैं। इस समूह में, भारत की तीसरी सबसे बड़ी दोपहिया निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी और डाई–कास्टिंग कंपनी सुंदरम–क्लेटन लिमिटेड शामिल हैं।

2. 11 दिसंबर, 1952, में चेन्नै में जन्मे, श्री श्रीनिवासन ने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गिंडी से इंजीनियरिंग (मैकेनिकल) स्नातक और पर्ड्यू विश्वविद्यालय से प्रबंधन में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। अपने जीवन के दूसरे दशक में वह लीडरशिप क्षेत्र में आ गए और स्वदेशी दोपहिया वाहन 'मोपेड' के निर्माण के लिए ग्रीनफील्ड परियोजना का सफलतापूर्वक संचालन किया।

3. श्री श्रीनिवासन अपनी कंपनियों की मदद करने और उच्चतम स्तर की गुणवत्ता हासिल करने के लिए, 1981 में जापान चले गए, जहाँ उन्होंने टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट (टीक्यूएम) के बारे में जाना और गौर किया कि यह उनके समूह के संस्थापना मूल्यों के साथ बहुत मेल खाती है। यह कर्मचारियों, विक्रेताओं और ग्राहकों की सेवा करने के लिए सर्वप्रथम–व्यक्ति और गुणवत्ता प्रेरित दृष्टिकोण था। शुरुआत में ही टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट अपनाने से न केवल उनके विक्रेताओं और आपूर्ति श्रृंखला की कायापलट हो गई, बल्कि आखिरकार कई अन्य भारतीय ऑटो–पार्ट निर्माताओं को निर्माण में गुणवत्ता के रास्ते पर चलने की प्रेरणा मिली।

4. लगभग तीन दशकों के दौरान, श्री श्रीनिवासन ने विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी कर्मचारी तैयार किए हैं, जो लगातार सुधार कर रहे हैं, बदलाव को अपना रहे हैं और चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर रहे हैं। अत्यधिक प्रतिबद्ध टीम के सदस्यों के साथ, उनके नेतृत्व ने सुंदरम–क्लेटन को 1998 में गुणवत्ता के लिए प्रतिष्ठित डेमिंग पुरस्कार जीतने वाली भारत की पहली कंपनी बनने में मदद की, इसके बाद 2002 में टीवीएस मोटर को भी यह पुरस्कार हासिल हुआ। वह केवल 48 वर्ष के थे जब उनके नेतृत्व में उनकी टीम ने डेमिंग पुरस्कार प्राप्त किया। उनकी कम्पनी यह सम्मान पाने वाली जापान के बाहर की पहली एशियाई कंपनी बनी। उनके द्वारा स्थापित मानदंड अन्य उदीयमान भारतीय कंपनियों के लिए अनुकरणीय बन गए, जिनमें से कई ने टीक्यूएम को अपनाया और यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किया।

5. श्री श्रीनिवासन बोर्ड के कई पदों पर आसीन हैं। वह टाटा ट्रस्ट्स के उपाध्यक्ष हैं और टाटा संस, कमिंस इंडिया लिमिटेड, द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड और कई अन्य कंपनियों के बोर्ड में हैं। उन्होंने भारतीय उद्योग के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इनमें वर्ष 2011 से 15 तक भारत सरकार का राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) का अध्यक्ष; 1999 से 2001 तक भारतीय ऑटोमोबाइल विनिर्माताओं का संगठन (सियाम) का अध्यक्ष; 2009 से 10 तक भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) का अध्यक्ष, 1998–2000 के लिए सोसायटी ऑफ ऑटोमोटिव रिसर्च ऑफ इंडिया का अध्यक्ष पद शामिल है।

6. श्री श्रीनिवासन को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें नवंबर, 2019 में जेयूएससी द्वारा डिसेमिनेशन एंड प्रमोशन (ओवरसीज) के लिए 'द डेमिंग डिस्टिंग्विस्ड सर्विस अवार्ड' शामिल है, जनवरी, 2015 में कोरिया गणराज्य द्वारा "गुडविल एनवॉय फॉर पब्लिक डिप्लोमेसी", 2010 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य और उत्कृष्ट योगदान के लिए "पद्म श्री" पुरस्कार शामिल हैं। 2010 में, कोरिया गणराज्य के राष्ट्रपति द्वारा कोरिया–भारत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में उनके बहुमूल्य योगदान के सम्मानस्वरूप "ऑर्डर ऑफ डिप्लोमैटिक सर्विस मेरिट" (हियुंग–इन मेडल) से अलंकृत किया। उन्हें वर्ष 2004 में ब्रिटेन के वारविक विश्वविद्यालय द्वारा "डॉक्टर ऑफ साइंस" से भी सम्मानित किया गया था। भारत के सबसे पुराने आईआईटी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर ने वर्ष 2009 में उन्हें "डॉक्टर ऑफ़ साइंस" की उपाधि प्रदान की। उन्होंरने 2012 में एशिया में गुणवत्ता की शीर्ष संस्थाक, एशियन नेटवर्क ऑफ क्वालिटी की ओर से इशिकावा–कानो पुरस्कार जीता। उन्हें वर्ष 2005 में ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा जेआरडी टाटा कॉरपोरेट लीडरशिप अवार्ड और इंडियन सोसाइटी फॉर क्वालिटी द्वारा 2004 में जमशेदजी टाटा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

7. श्री श्रीनिवासन समाज में योगदान के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं और उनके सामुदायिक कार्यों में, भारत के 5,000 गाँवों में कार्य करना, जीवन कौशल सिखाकर अकुशल लोगों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी सुविधाएं और शिक्षा प्राप्त करने में मदद करना शामिल है। यह कार्य श्रीनिवासन सर्विस ट्रस्ट द्वारा किया जाता है।